



0117CH08

8. पतंग

सर-सर सर-सर उड़ी पतंग,
फर-फर फर-फर उड़ी पतंग।

इसको काटा, उसको काटा,
खूब लगाया सैर सपाटा।

अब लड़ने में जुटी पतंग,
अरे कट गई, लुटी पतंग।

सर-सर सर-सर उड़ी पतंग,
फर-फर फर-फर उड़ी पतंग।





पतंग का चित्र बनाओ।

अब कविता बनाएँ

सर-सर सर-सर उड़ी पतंग

घंटी बोली

उड़ता कपड़ा

..... खन-खन-खन



सोचो और लिखो

तुम पतंग के साथ सैर-सपाटे पर गईं। वहाँ तुमने क्या-क्या देखा?

.....

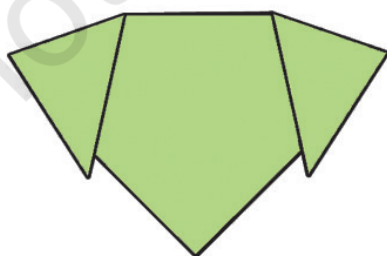
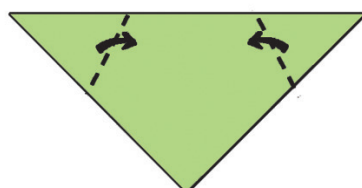
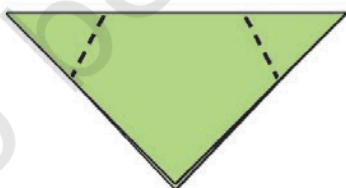
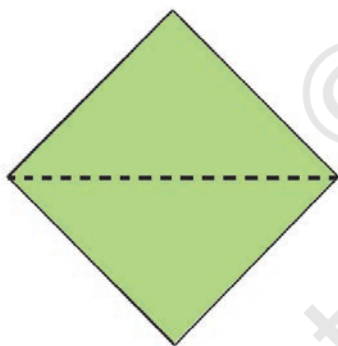
.....

पतंग कटकर कहाँ-कहाँ गिर सकती है?

.....

.....

कागज़ से कुत्ता बनाओ।





कहती है अब खेल का समय

२४
हुँरे! जीत गई

२३
जल्दी-जल्दी चार बार
बोलो- कच्चा पापड़
पक्का पापड़। आगे
बढ़ो।



२१
पाँच बार चुटकी
बजाओ और चुस्की
का मज़ा लो।



१४



१६

१७
आ से शुरू होने
वाली चार चीज़ों
के नाम बताओ।
झूला झूलो।

१८

१२
बीस की गिनती पूरी
होने से पहले बाहर
से एक पत्थर लेकर
आओ। आम खाओ

११

१०



८

७
म से शुरू होने
वाला कोई गाना
सुनाओ। पगड़ी
पहनो।

१
शुरू करो।

२
मछली पर कविता
सुनाओ नाव में
जाओ।

३

४

५
क से शुरू होने
वाले पाँच बच्चों के
नाम बताओ। पतंग
उड़ाओ।

६

बच्चे सुझाया गया काम करेंगे। सही करने पर आगे बढ़ेंगे। गलत करने पर एक बारी छोड़ेंगे।